डा० सलूजा द्वारा पानी निकालने के लिये बनाये गये पम्प का प्रयोग

6119. **श्री हरिकेश बहादुर** : क्या संसदीय कार्य तथा श्रम मन्त्री यह बताने की कृपा करेंगे कि

(क) 17 मई, 1977 के टाइम्स आफ इंडिया मे प्रकाशित समाचार के अनुसार इन्स्टीट्यूट आफ टेक्नालाजी, वाराणसी, हिन्दू विश्वविद्यालय के निदेशक डाक्टर एस० एस० सलूजा द्वारा बनाय गये पानी निकालने वाले पम्प का प्रयोग चासनाला खान से पानी निकालने के लिए न किये जाने के क्या कारण थे जब कि डा० सलूजा से कहा गया था कि उनके द्वारा बनाये गये पम्प का प्रयोग किया जायेगा ,

(ख) क्या डाक्टर सलूजा 29-12-75 को आकाशवाणी से प्रसारित एक अपील सुन कर चासनाला गये थे और खान सुरक्षा महानिदेशक की सहायता से उन्होने 30-12-75 को एक पम्प बनाया और उस पम्प का प्रदर्शन भी किया जिससे भरा हुआ पानी 3-4 दिन मे बाहर निकाला जा सकता था , और

(ग) क्या सरकार ने डा० सलूजा द्वारा बनाये गये पम्प की क्षमता की जांच की है ताकि भविष्य मे उसका उपयोग किया जा सके ?

संसदीय कार्य तथा श्रम मंत्री (श्री रवीन्द्र वर्मा) : (क) से (ग) डा० एस० एम० सलूजा, निदेशक, इस्टीट्यूट आफ टेकनालाजी, बनारस हिन्दू विश्वविद्यालय, 30 सितम्बर, 1975 को तत्कालीन उप-महानिदेशक, खान सुरक्षा, श्री एस० एस० प्रसाद को उनके कार्यालय मे मिले थे और पानी निकालने के लिए एयरलिफ्ट पम्पो के प्रयोग का सुझाव दिया था। चूकि एयर लिफ्ट पम्प तत्काल उपलब्ध नही थे, इसलिये डा० सलूजा ने इंडियन आयरन एण्ड स्टील कम्पनी लिमिटेड की जीतपुर कोयला खान के वर्कशाप मे दो ऐसे पम्पो का निर्माण 30 दिसम्बर, 1975 की रात तक करवाया। डा० सलूजा उसी रात को वाराणसी चले गए और इन पम्पों के स्थापन हेतु प्रयास किए गए थे। इस बीच 75 मीटर हैड और 800 जी० पी० एम० क्षमता के आठ सबमर-सिबल पम्प (कालमा पम्प) चासनाला खान मे प्राप्त हुए और यह निर्णय लिया गया कि स्थानीय निर्मित एयर लिफ्ट पम्पो के स्थान पर इन पम्पो का स्थापन किया जाए।

एयर लिफ्ट पम्पो की दक्षता कम है जो कि बिरले ही 45 प्रतिशत से आगे बढती है और इनका आमतौर पर प्रयोग मुख्य पम्पिंग प्रयास का बढाने के लिए किया जाता है, जब उच्च दबाव कम्प्रेसर उपलब्ध होता है और इन पम्पो को केवल वहा लगाया जाता है जहा अच्छी किस्म के अन्य पम्प उसी समय उपलब्ध नही होते। चूकि पर्याप्त क्षमता वाले विद्युत चलित सबमर्सिबल पम्पो की कोई कमी नही थी, इसलिए कम्प्रेसड एयर का प्रयोग करने वाले कम दक्षतापूर्ण एयरलिफ्ट पम्पो का प्रयोग करना आवश्यक नही समझा गया। तथापि प्रो० सलूजा द्वारा डिजाइन किए गए पम्पों का विभिन्न फील्ड परीक्षण किया जा रहा है और इन परीक्षणो के परिणामो तथा प्रत्येक मामले की आवश्यकता के अनुसार, उचित समय पर इसके प्रयोग के संबंध में आवश्यक निर्णय लिया जाएगा।